हिन्दी भाषा शिक्षण (PAPER-FOURTH : AS-2471)

बी.एड./बी.एड.(एच.आइ.)/बी.एड.(एल.डी.) EXAMINATION 2013

खण्ड - क

(अति लघु उत्तरीय उत्तर) प्रश्नोत्तर संख्या 1

a. **राष्ट्र- भाषा** ही राष्ट्र की प्रगति का अविरल प्रवाह है, जो राष्ट्र की धड़कन को ही परिचालित नहीं करता वरन राष्ट्र मे कर्म-सौरभ को भी दसो दिशाओ मे प्रसारित करता है।(**सर्वपल्ली राधाकृषणन**)

b. **मातृभाषा का शाब्दिक अर्थ है-** माँ की भाषा, जिसे बालक माँ के सनिध्य मे रहकर सहज रूप से सुनता और सीखता है

c. **गद्य शिक्षण के दो उद्देश्य**: -

अ -छात्रो के शब्द भंडार और सूक्ति भंडार मे क्रमश बृद्धि करना।

ब -छात्रो मे विविध विधाओ के प्रति रुचि उत्तपन्न करना।

d. **पद्यशिक्षण के दो भावात्मक उद्देश्य**: -

अ-छात्रो को लय,ताल और भाव के अनुसार पाठ कराकर उन्हे रसानुभूति कराना।

ब-कवि के भावो को पूर्णरूप से समझाकर छात्रो को अलौकिक आनंद की रसानुभूति कराना।

e -**दैनिक पाठ योजना** : उस विवरण का नाम है ,जिसमे यह स्पष्ट किया जाता है कि किसी पाठ से क्या उपलब्धियाँ प्राप्त करनी है और उन्हे किन साधनो द्वारा कक्षा की क्रियाओ के फलस्वरूप प्राप्त किया जा सकता है ? (**बासिंग)**

f-**आगमन विधि** मे सर्वप्रथम कई उदाहरण रखे जाते है फिर उनके आधार पर कोई निष्कर्ष निकाला जाता है ।

-निगमन विधि मे पहले सिद्धांत या नियम छात्रो के सामने रखा जाता है फिर उदाहरणो के द्वारा नियमो कि पुष्टि कि जाती है ।

g **-हिन्दी शिक्षक के दो गुण** : (अ) हिन्दी भाषा का सम्पूर्ण ज्ञान (ब)भाषा शिक्षण की विधियो का ज्ञान ।

h **-शिक्षण प्रविधियों के दो महत्व** :

-अध्येय /अध्यापनीय सामग्रियों को सरस तथा सरल रूप प्राप्त हो जाता है ।

-पाठ व्यवहारिक तथा क्रियात्मक बन जाता है ।

i- **उपलब्धि परीक्षण की दो आवश्यकताये**: 1 -ज्ञान या कौशल के किसी विशेष क्षेत्र मे व्यक्ति कि अर्जित निपुणता की वर्तमान स्थिति की माप करना। 2- शिक्षण की मात्रा को मापना ।

j- "इन परीक्षाओ के द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रो की परीक्षा की जाती है और इन क्षेत्रो मे व्यक्ति की निर्बलता अथवा सफलता का पता लगाया जाता है निदानात्मक परीक्षण अध्यापक को यह जानने मे सहयोग प्रदान करती है कि उसके द्वारा शिक्षा कहा पर सफल हुई ।" (या)

" **निदानात्म्क परीक्षण** मे शिक्षक उन कारणो का खोज करता है ,जिससे छात्रो को कठिनाई होती है और उनका उपचार करने हेतु अभ्यास के प्रश्नो के विभिन्न प्रकारो का निर्माण करता है । जैसे - सामान्य लिपि संबंधी अशुद्धिया,पंचम वर्ण सम्बन्धी अशुद्धिया, इत्यादि।"

खण्ड-ख

(निबंधात्मक प्रश्नोत्तर)

<u>प्रश्नोत्तर संख्या 2.</u>

-भाषा(परिचय)लिखे:

-भाषा की परिभाषा : विचारो, भावो तथा इच्छाओ को अभिव्यक्त करने की छमता रखने वाले वर्णात्मक प्रतीको की समिस्ठी को भाषा कहते है ।(**सुमित्रा नन्दन पंत , सीताराम चतुर्वेदी ,श्यामसुंदरदास,गुने ,करुणापति त्रिपाठी की परिभाषा भी लिखे)**

-<u>भाषा का महत्व एवं विकास की आवश्यकताये</u> :

-भाषा को मानवीय विकास का पर्याय माना जाता है ।

-भाषाई परिवेश मे बालक का सम्यक तथा संतुलित विकास होता है ।

-समस्त मानवीय गुणो का विकास भाषा द्वारा होता है ।

-मानव अपनी आवश्यकता की पूर्ति हेतु विचारो तथा भावो की अभिव्यक्ति एवं ज्ञानार्जन के लिये भाषा पर ही निर्भर करता है ।

इत्यादि (अन्य आवश्यकताये भी लिखे)

<u>निष्कर्ष लिखे</u>

<u>प्रश्नोत्तर संख्या 3:</u>

शुद्ध उच्चारण भाषा का सौन्दर्य है, विद्वत समाज मे उन्ही व्यक्तियों को सम्मान मिलता है जिसका उच्चारण शुद्ध है ।

उच्चारण शारीरिक एवं मानसिक प्रक्रिया है अत: **उच्चारण के दो पक्ष हुए** :

क -**यांत्रिक पक्ष** (बलाघात, विराम,सुर -स्वर,गति)

ख- **मानसिक पक्ष** (विचारो की सुसंबद्धता ,तथ्यगतता, श्रोता की इस्थति के अनुसार उच्चारण)

<u>उच्चारण संबंधी त्रुटियो के कारण :</u>

1 - व्यक्तिगत शारीरिक कारण (नाक,कान,होठ ,जिह्वा कंठ ,गाल दांत संबंधी विकृति के कारक **)**

2 - मनोवैज्ञानिक कारण(भावात्मक एवं मानसिक स्थिति **)**

3 -स्थानीयता का प्रभाव :

4 - आदत या स्वभाव के कारण :

5- अज्ञानतावश:

<u>निष्कर्ष :</u>

<u>प्रश्नोत्तर संख्या 4</u>

-पाठ्य योजना का सामान्य संप्रत्यय :

-पाठ्य योजना की परिभाषा : पाठ्य योजना शिक्षक द्वारा अपनी पाठ्यवस्तु एवं अधिगम तथा शिक्षण सिद्धांतों को ध्यान मे रखकर पूर्व चिंतन के आधार पर बनाई हुई योजना है । यह योजना लिखित रूप मे होती है ।

(**बार्सीग, डेविस , वाइनिंग द्वारा दी गई परिभाषये भी लिखे**)

<u>वार्षिक योजना के चरणों का विस्तृत वर्णन</u>

1 - पूरे सत्र पढ़ाई जाने वाली सामग्री को इकाइयो मे बाटना :

2 - कार्यदिवस का पता लगाना :

3 - कालांशों की आवश्यकता का पता लगाना :

4 - इकाईयो के उद्देश्य बनाना :

5 - मूल्यांकन को ध्यान मे रखना :

6 - आवश्यक शिक्षण सामग्री को ध्यान मे रखना :

<u>निष्कर्ष :</u>

<u>प्रश्नोत्तर संख्या 5</u>

<u>इंद्रिय ज्ञान के आधार पर शैक्षिक सामग्री</u> : (संक्षिप्त वर्णन)

1. **दृश्य सामग्री (**पुस्तक ,चित्र,इत्यादि **)**
2. **श्रव्य सामग्री** (रेकॉर्ड प्लेयर , रेडियो ,टेप रिकॉर्डर **)**
3. **दृश्य –श्रव्य सामग्री(**चलचित्र ,दूरदर्शन ,विडियो **)**
4. **स्पश सामाग्री**

<u>प्रस्तुतीकरण के आधार पर शैक्षिक सामग्री</u> : (संक्षिप्त वर्णन)

1. **प्रक्षेपित सामग्री (**स्लाइड ,ओएचपी,एपिडोस्कोप**)**
2. **अप्रक्षेपित सामग्री(**कार्टून,चित्र ,रेखाचित्र इत्यादि **)**

<u>हिन्दी शिक्षण मे शैक्षिक सामग्री की उपयोगिता</u> :

(संक्षिप्त रूप मे प्रकाश डालें **)**

<u>निष्कर्ष :</u>

<u>प्रश्नोत्तर संख्या 6</u>

उपलब्धि परीक्षण : इस प्रकार के परीक्षाओ मे यह परीक्षण किया जाता है कि किसी व्यक्ति के ज्ञान के किसी क्षेत्र मे कितनी उपलब्धि अर्जित कर ली है ,उपलब्धि को ज्ञात करने के लिए हम प्राप्त प्राप्तांक को सामने रखते हैं ।

(अन्य परिभाषये भी लिखें)

<u>उपलब्धि परीक्षण के प्रकार :</u>

(संक्षिप्त वर्णन करें **)**

1 - मौखिक

2 - क्रियात्मक

3 - निबंधात्मक

4 - वस्तुनिस्ठ

<u>निष्कर्ष :</u>

<u>प्रश्नोत्तर संख्या 7</u>

-निदानात्मक मूल्यांकन का सामान्य परिचय :

"इन परीक्षाओ के द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रो की परीक्षा की जाती है और इन क्षेत्रो मे व्यक्ति की निर्बलता अथवा सफलता का पता लगाया जाता है निदानात्मक परीक्षण अध्यापक को यह जानने मे सहयोग प्रदान करती है कि उसके द्वारा शिक्षा कहा पर सफल हुई ।

-उपलब्धि मूल्यांकन का सामान्य परिचय:

इस प्रकार के परीक्षाओ मे यह परीक्षण किया जाता है कि किसी व्यक्ति के ज्ञान के किसी क्षेत्र मे कितनी उपलब्धि अर्जित कर ली है ,उपलब्धि को ज्ञात करने के लिए हम प्राप्त प्राप्तांक को सामने रखते हैं ।

<u>निदानात्मक मूल्यांकन एवं उपलब्धि मूल्यांकन की हिन्दी शिक्षण मे आवश्यकताए</u>: (संक्षिप्त वर्णन)

(विश्वसनीयता,विभेदकारिता ,शुद्धता ,व्यक्ति निरचेपता इत्यादि को जानने के लिए **)**

<u>निष्कर्ष :</u>

द्वारा :-

राहुल कुमार पाण्डेय(सहायक प्राध्यापक)

शिक्षा विभाग , गुरु घासी दास वि.वि.बिलासपुर